‘राजस्थान में आम उपभोक्ता के लिए नहीं बढ़ेगी बिजली की दर’

राजस्थान विद्युत नियामक आयोग ने स्थायी शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव रद्द किया, जयपुर-अजमेर डिस्कॉम को फायदे में और जोधपुर डिस्कॉम को घाटे में आंका

जयपुर (कासं)। राजस्थान में आम विद्युत उपभोक्ता के लिए विद्युत दर (टैरिफ) में कोई वृद्धि नहीं होगी। राजस्थान राज्य विद्युत नियामक आयोग ने करोना महामारी का हवाला देते हुए टैरिफ बढ़ाने से इनकार कर दिया है। आयोग ने जयपुर और अजमेर डिस्कॉम को फायदे में और जोधपुर डिस्कॉम को घाटे में आंका है। साथ ही तीनों विद्युत वितरण निगमों को उनका प्रदर्शन सुधारने, उपभोक्ता सेवा में सुधार, मीटिरिंग, बिलिंग व संग्रहण पर ध्यान देने, बिजली छीजत और चोरी को रोकने के लिए कहा है।

जानकारी के मुताबिक जयपुर, अजमेर और जोधपुर वितरण निगम ने वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2023-24 के लिए वार्षिक राजस्व आवश्यक (ए.आर.आर.) और टैरिफ निर्धारण की याचिकाएं दायर की थी। इन तीनों निगमों ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 59 हजार 352 करोड़ रुपये के राजस्व की जरूरत बताई थी। साथ ही कहा था कि मौजूदा टैरिफ पर सरकारी सब्सिडी मिलने के बाद भी इस वर्ष में 5236 करोड़ रुपये के शुद्ध घाटे का अनुमान है। इसलिए घरेलू को छोड़कर बाकी श्रेणियों के लिए स्थायी शुल्क बढ़ाने की मंजूरी दी जाये। साथ ही संबंधित ऊर्जा शुल्क को घटाने का प्रस्ताव भी रखा था।

> ■ आयोग के आदेश के मुताबिक सभी श्रेणियों (घरेलू, अघरेलू, सार्वजनिक स्ट्रीट लाइट, कृषि, लघु मध्यम व बड़े उद्योग, मिश्रित भार, ईवी चार्जिंग स्टेशन और ट्रैक्शन लोड) के खुदरा उपभोक्ताओं के लिए विद्युत दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। विभिन्न श्रेणियों के लिए मौजूदा छूट भी लागू रहेगी।

इस पूरे प्रकरण में राजस्थान राज्य विद्युत नियामक आयोग ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 52 हजार 71 करोड़ रुपये निर्धारित करने का आदेश जारी किया है। इसके हिसाब से मौजूदा विद्युत दर (टैरिफ) पर इस वर्ष में 601 करोड़ रुपये का शुद्ध अधिशेष (सरप्लस) आंका गया है। आयोग ने जयपुर और अजमेर वितरण निगम को अधिशेष तथा जोधपुर डिस्कॉम को घाटे में माना है। साथ ही कहा है कि करोना महामारी के प्रभाव, स्थायी शुल्क में वृद्धि के कारण उत्पन्न होने वाली व्यावहारिक कठिनाईयों और ए.आर.आर. व राजस्व अंतराल को देखते हुए खुदरा उपभोक्ताओं (आमजन) के लिए विद्युत दर (टैरिफ) में किसी भी बदलाव पर विचार नहीं किया है।

आयोग के आदेश के मुताबिक सभी श्रेणियों (घरेलू, अघरेलू, सार्वजनिक स्ट्रीट लाइट, कृषि, लघु मध्यम व बड़े उद्योग, मिश्रित भार, ईवी चार्जिंग स्टेशन और ट्रैक्शन लोड) के खुदरा उपभोक्ताओं के लिए विद्युत दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं होगी। विभिन्न श्रेणियों के लिए मौजूदा छूट भी लागू रहेगी। इसी प्रकार सार्वजनिक पूजा स्थलों के परिसर के भीतर स्थित धर्मशालाओं से घरेलू श्रेणी के तहत शुल्क लिया जायेगा।

सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए अच्छी रोड इंजीनियरिंग और गुणवता जरूरी : अरोड़ा

‘अगर रोड क्षतिग्रस्त के बजाय अच्छी होंगी, ब्रेकर कम होंगे घुमाव सही तरीके से बने होंगे तो दुर्घटनाएं निश्चित कम होंगी’

राजस्थान आवासन मंडल और मुस्कान फाउंडेशन की ओर से बुधवार को ‘रोड सेफ्टी’ विषय पर आयोजित कार्यशाला को पवन अरोड़ा और विशेषज्ञ रोहित बालूजा ने संबोधित किया।

जयपुर (कासं)। आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। इसके लिए सड़क निर्माण करने वाली संस्थाएं, परिवहन विभाग और स्वयंसेवी संस्थाओं व आमजन को संयुक्त प्रयास करने होंगे।

अरोड़ा बुधवार को मंडल मुख्यालय में राजस्थान आवासन मंडल और मुस्कान फाउंडेशन की ओर से आयोजित कैपेसिटी बिल्डिंग ऑन रोड सेफ्टी मैनेजमेंट कार्यशाला को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में केवल मृत्यु के आंकड़ों की चर्चा होती है जबकि इन दुर्घटनाओं से बहुत सारे लोग विकलांग होते हैं, अपाहिज हो जाते हैं या फिर घायल हो जाते हैं। इस तरह इन सड़क दुर्घटनाओं की वजह से बहुत सारे व्यक्ति और परिवार शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रभावित होते हैं। उन्होंने बताया कि इन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों को बनाने वाली एजेंसियों, ट्रांसपोर्टर्स और यातायात विभाग को संयुक्त रूप से काम करना होगा। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में रोड बनाने वाली एजेंसियों की अहम भूमिका है। अगर रोड अच्छी होंगी, डिवाइडर होंगे, ब्रेकर कम होंगे, रोड क्षतिग्रस्त नहीं होगी, घुमाव सही तरीके से बने होंगे तो निश्चित रूप से दुर्घटनाएं कम होंगी। इसके लिए रोड बनाते समय इंजीनियर्स को सड़क दुर्घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। इस अवसर पर प्रसिद्ध रोड सेफ्टी विशेषज्ञ और इंस्टीट्यट ऑफ रोड सेफ्टी एज्यूकेशन के निदेशक रोहित बालूजा ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में सड़कों की भूमिका पर अपना व्याख्यान दिया। इस दौरान मुस्कान फाउंडेशन की प्रतिनिधि नेहा खुल्लर सहित आवासन मंडल के अभियंता मौजूद थे।

सुभाष चंद्र बोस की मृत्यु से जुड़ी 41 शीर्ष फाइलें सार्वजनिक करने की मांग

जयपुर (कासं)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जापान में विमान दुर्घटना में हुई रहस्यमय मृत्यु और उसके बाद केंद्र और प. बंगाल सरकार समेत विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा की गई जांच के तथ्यों को लेकर ऑल इंडिया लीगल ऐड फोरम ने शीर्ष 41 फाइलें सार्वजनिक करने का मुद्दा उठाया है। जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में फोरम के जनरल सेक्रेट्री एवं इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्टस के मेंबर जॉयदीप मुखर्जी ने कहा कि यह देश के लिए बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज तक देश को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की अंतिम घटना के बारे में पता नहीं है कि आखिर उनके साथ अंतिम दिन वास्तव में क्या हुआ था। फोरम के प्रतिनिधियों ने केंद्र सरकार को रूस के ओम्स शहर में साइबेरिया जेल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की मौत के संबंध में केजीबी फाइलों का खुलासा करने के लिए राजनयिक तरीके से दबाव बनाने, आजाद हिंद फौज की संपत्ति बताने, नेताजी के जन्मदिन 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश और देशप्रेम दिवस घोषित करने की मांग की।

‘4700 सफाई कर्मचारी और संसाधन भी पूरे, फिर सफाई रैंकिंग में हम क्यों पिछड़े?’

हैरिटेज मेयर ने शहर की बदहाल सफाई को लेकर अफसरों पर नाराजगी जताई

जयपुर (कासं)। हैरिटेज मेयर मुनेश गुर्जर ने शहर की सफाई पर नाराजगी जताई है। उन्होंने अफसरों से साफ कहा है कि इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर हैरिटेज की रैंकिंग कम रहने के कारणों पर मंथन करें और शहर की सफाई व्यवस्था को और बेहत्तर बनाने में जुटे। अभी से स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 की तैयारियां करेंगे, तब जाकर जयपुर की रैंकिंग सुधरेगी।

मुनेश गुर्जर ने कहा कि हैरिटेज नगर निगम में संसाधनों की कोई कमी नहीं है, फिर भी कोई परेशानी हो तो बताओ, लेकिन बदहाल सफाई बर्दाश्त नहीं करूंगी।

> ■ स्वच्छता सर्वेक्षण-2022 की तैयारियों में अभी से जुट जाएं अधिकारी-कर्मचारी : गुर्जर

आयुक्त अवधेश मीना ने अफसरों को कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण में जयपुर की रैंकिंग टॉप-10 में लाने के लिए अभी से मेहनत शुरू करें। हैरिटेज निगम के पास 4700 सफाई कर्मचारी है, पर्याप्त संसाधन है, फिर हम पीछे क्यों है। फरवरी में इनवेस्टर समिट होगी, जिसमें देश-विदेश के उद्योग प्रतिनिधि आएंगे, इसलिए शहर स्वच्छ रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। जोन उपायुक्त अपने एसी कमरों को छोड़कर फील्ड में निकले और सफाई व्यवस्था का जायजा लें। जो कर्मचारी स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में अच्छा काम करेंगे, उन्हें सम्मानित किया जाएगा। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त सत्तार खान, स्वास्थ्य उपायुक्त आशीष कुमार मौजूद थे।

महापौर मुनेश गुर्जर ने सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों की बैठक ली।

प्रदेश में दो लाख से ज्यादा लोगों का वैक्सीनेशन हुआ

जयपुर, (कासं)। प्रदेश में बुधवार को दो लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन किया गया। इसके साथ ही प्रदेश में अब तक 6.63 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार प्रदेश में बुधवार को 2 लाख 30 हजार 644 लोगों का टीकाकरण किया गया। इसमें 34 हजार 884 लोगों को पहली तथा 1 लाख 95 हजार 760 लोगों को दूसरी डोज दी गई। इनमें 18 प्लस वाले 28 हजार 365 को पहली और 1 लाख 50 हजार 338 लोगों को दूसरी खुराक दी गई। वहीं 45 साल से अधिक उम्र वाले 6 हजार 505 लोगों को पहली और 44 हजार 897 लोगों को दूसरी डोज लगाई गई है। राज्य में अब तक 6 करोड़ 63 लाख 57 हजार 932 लोगों को वैक्सीन लग चुकी है। इनमें 4 करोड़ 31 लाख 89 हजार 620 लोगों को पहली और 2 करोड़ 31 लाख 68 हजार 312 लोगों को दोनों डोज लग चुकी हैं।

सार-समाचार

जलदाय मंत्री का स्वागत किया

जयपुर । पीएचईडी मंत्री महेश जोशी ने बुधवार को सचिवालय में अपने कक्ष में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष रमन पारीक ने गुलदस्ता भेंट कर उनका अभिनंदन किया। पारीक ने बताया कि महेश जोशी स्टेनो कैडर की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए महासंघ के आग्रह पर मुख्यमंत्री को व्यक्तिगत पत्र लिखते रहे हैं, उनके कैबिनेट मंत्री बनने एवं पदभार ग्रहण करने की खुशी में उनसे मिलकर शुभकामनाएं दी गई। पारीक ने बताया कि महेश जोशी सभी वर्गों को साथ लेकर चलते रहे हैं एवं उनके माध्यम से आमजन की समस्याओं के समाधान होते रहे हैं, आशा करते हैं कि उनका सहयोग एवं आशीर्वाद पूर्व की भांति राजस्थान निजी सहायक संवर्ग महासंघ पर बना रहेगा।

सत्य साई बाबा का जन्मोत्सव मनाया

जयपुर, (का.सं.)। श्री सत्य साई पी.जी.महिला महाविद्यालय एवं ईश्वरम्मा शिक्षक प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय द्वारा भगवान सत्यसाई बाबा का जन्मदिवस हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस मंगल दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.अखिल शुक्ला अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट एवं राजस्थान विश्वविद्यालय के आजीवन सीनेट सदस्य को आमंत्रित किया गया। संस्था सचिव जे.एन.शर्मा, चेयरमैन सरोज खेमका श्री सत्यसाई महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.कमलेश शर्मा, ईश्वरम्मा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ.प्रतिभा पाराशर तथा अन्य आमंत्रित अतिथि ने पधार कर समारोह की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम के अन्तर्गत साई भजन, आरती इत्यादि का आयोजन किया गया तथा कार्यक्रम का समापन केक काटकर एवं प्रसाद वितरण द्वारा किया गया।

गरीब बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जायेगी

जयपुर । शरन्य शक्ति फाउंडेशन जयपुर की ओर से बुधवार को आर्थिक रुप से कमजोर बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा देने के लिए एक छोटा सा सेंटर शुरू किया गया है। मुख्य अतिथि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता डॉ. अखिल शुक्ला और स्थानीय पार्षद आशा सिंघानिया रहे। प्रभारी अजय शर्मा, अतुल सैनी और गुलशन दीप ने बताया कि कक्षाएं पूरे सत्र चलेंगी, यहां छात्र-छात्राओं को मुफ्त शिक्षा के साथ-साथ स्टेशनरी और अन्य सुविधाएं भी फ्री दी जाएंगी। डॉ.शुक्ला ने कहा कि ऐसे सेंटर समाज के लिए उदाहरण है। आर्थिक रूप से पिछड़े बच्चों के लिए फ्री एजुकेशन और महिला आत्मरक्षा की ट्रेनिंग देना और आत्मरक्षा के अधिकारों के बारे में जागरूक करने का उद्देश्य लेकर इस फाउंडेशन की स्थापना की है, जो कि काफी सराहनीय कदम है।

अवैध कैफे संचालक समेत 16 गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। झोटवाड़ा थाना पुलिस ने अवैध कैफे संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 16 लोगों को पकड़ा है। डीसीपी (पश्चिम) ऋचा तोमर ने बताया कि 23 नवंबर को जयपुर पश्चिम के सभी थाना क्षेत्रों में चल रहे कैफे संचालकों के खिलाफ अवैध गतिविधियों की शिकायतों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए थे। इस पर थानाप्रभारी घनश्याम सिंह राठौड़ के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने अवैध कैफे चलाने वाले तथा कैफे में अवैध गतिविधियों का संचालन रोकने के लिए कांटा चौराहा से गणेश मंदिर रोड पर कार्रवाई की गई। जिसमें किंग हाउस, हम तुम, हंटेजड, वेलेन्टाइन डे, चिल आउट, होरर स्ट्रीट, डार्क लाइफ, स्कैरी हाउस आदि कैफे में कार्रवाई करेत हुए कैफे संचालकों और अवैध गतिविधियों में लिप्त 16 जनों को शांति भंग में गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी लोकेन्द्र सिंह, गांधी पथ करणी विहार, गजानन्द बडोलिया कृष्णा कॉलोनी झोटवाड़ा, निर्मल यादव, सियाराम चौधरी, मुकेश यादव, सुनील चौधरी करधनी, जितेन्द्र राय, गगनदीप, तनवीर चौहान, अनिल सिंह, हरीश सोनी, अनिल मीणा, राहुल वर्मा, मनोज शर्मा झोटवाड़ा, विवेक अग्रवाल कालवाड़, कमलेश नागौर का रहने वाला हैं।

नर्सेज ने चिकित्सा मंत्री को बधाई दी

जयपुर । राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष श्याम सिंह व जयपुर जिलाध्यक्ष बलदेव सिंह चौधरी के नेतृत्व में नर्सेज के प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा से शिष्टाचार भेंट कर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी। प्रवक्ता राजेश शर्मा ने बताया कि एसोसिएशन ने चिकित्सा मंत्री से नर्सेज के पदनाम परिवर्तन का नोटिफिकेशन शीघ्र जारी करने सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया तथा शीघ्र ही समाधान करने का आग्रह किया। प्रतिनिधि मंडल में नर्सिंग अधीक्षक सुरेश मीणा, सीताराम मीणा, प्रदेश व जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी सहित कई नर्सेज मौजूद रहे। वहीं राजस्थान नर्सेज संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक मनोज मीणा दुब्बी के नेतृत्व में नर्सेज के प्रतिनिधि मंडल ने भी स्वास्थ्य मंत्री से मिलकर बधाई दी। इस दौरान नर्सिंग एसटी-एससी कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सपोटरा, राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन के महामंत्री पवन सिंह जादौन, राजकीय नर्सिंग महाविद्यालय जयपुर के डॉ. मदन मोहन मौजूद थे।

खुली जेल से भागा कैदी वापिस लौटा

जयपुर । सांगानेर स्थित खुला बंदी शिविर में सजा काट रहा एक कैदी अचानक फरार हो गया। थाने में मुकदमा दर्ज होने के बाद कैदी अगली सुबह वापिस शिविर में आ गया। पुलिस जांच में जुटी है। थानाधिकारी रायसल सिंह ने बताया कि खुली जेल में सजा काट रहा कैदी विजेंद्र उर्फ़ टीलू 22 नवंबर की शाम रोल कॉल से गायब था, जिसकी फरार होने की रिपोर्ट हैडकांस्टेबल कजोड़मल मीणा द्वारा थाने में करवाई गई थी। आरोपी की तलाश शुरू की गई, लेकिन वह अगली सुबह शिविर में आ गया। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

पाकिस्तान की मीना फर्जी कागजात से बन गई भारत की परवीन बानो

जयपुर (कासं)। पाकिस्तान की मीना कुमारी फर्जी दस्तावेजों से भारत की परवीन बानो बन गई। भारत आने के 38 वर्ष बाद मिली तो सीआइडी ने उसके खिलाफ रामगंज थाने में मामला दर्ज करवाया है। मीना कुमारी भारत आई, जब उसकी उम्र 3 वर्ष थी।

सीआइडी के मुताबिक, 22 वर्ष की उम्र में मीना कुमारी ने जयपुर में संजय बाजार में शिकारियों का मोहल्ला निवासी मोहम्मद शफीक कुरैशी से वर्ष 2002 में प्रेम विवाह कर लिया। इसके बाद पति की मदद से फर्जीवाड़ा कर राशन कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता परवीन बानो के नाम से बना लिया। मीना कुमारी ने अपना नाम बदल लिया और बिना वीजा और भारतीय नागरिता मिले बिना यहां रह रही है। सीआइडी के पुलिस अधीक्षक शांतनु कुमार ने रामगंज थाने में 22 नवम्बर को एफआइआर दर्ज करवाई। रिपोर्ट में बताया कि 19 नवम्बर 1983 में मीना कुमारी अपनी माता रूकमनी और पिता रूपचंद के साथ बीजा पर अमृतसर में अटारी सीमा से भारत आई। 23 अगस्त 1983 को जयपुर आ गई। यहां उसके पांच अन्य भाई-बहन साथ थे। सभी का एक साथ वीजा पत्र था और वीजा अवधि समाप्त होने पर वीजा वृद्धि के लिए सभी ने एक साथ आवेदन किया था। उसके माता-पिता की मौत हो गई और भाई-बहन भी यहां पर किसी जगह रहने लगे। मीना कुमारी ने 2002 में शिकारियों का मोहल्ला निवासी मो. शफीक कुरैशी से प्रेम विवाह कर नाम परवीन बानो रख लिया। भारतीय नागरिता के लिए आवेदन कर रखा है, जो केन्द्रीय गृह मंत्रालय में लंबित है। सीआइडी ने बताया कि मीना कुमारी का अब पता चला तो उसकी जानकारी जुटाई। उसने पति के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा कर बनाए गए भारतीय मतदाता पहचान पत्र व आधार कार्ड में पति या पिता का नाम फरीद कुरैशी लिखवाया। जबकि उसके पिता का नाम रूपचंद और पति का नाम मो. शफीक कुरैशी है। फर्जीवाड़ा कर बनाए गए दस्तावेजों में मीना कुमारी ने अपनी जन्म दिनांक एक जनवरी 1986 लिखवाई है, जबकि उसकी जन्म दिनांक एक जनवरी 1980 है।

बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर व बयाना निकाय प्रमुख को नोटिस थमाया

पट्टा वितरण में लापरवाही और बेवजह फाइलें अटकाने पर हुई कार्रवाई

जयपुर (कासं)। ‘प्रशासन शहरों के संग’ अभियान में कोताही बरतने वाले अफसरों पर गाज गिरना शुरू हो गई है। स्वायत्त शासन विभाग ने चार निकायों के प्रमुख अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस थमाया है। जानकारी के मुताबिक विभाग ने बांसवाड़ा नगर परिषद् के आयुक्त प्रभुलाल भापोर, बारां नगर परिषद् के आयुक्त मनोज कुमार मीणा, भरतपुर नगर निगम के सचिव रविन्द्र और बयाना नगरपालिका के ईओ जितेन्द्र गर्ग को नोटिस जारी किया है।

ले-आउट प्लान की मंजूरी के बावजूद पट्टे जारी नहीं करने, पट्टे की कई फाइलें लंबित रखने, सरकार के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लेने और अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही बरतने के मामले में यह नोटिस जारी किये गये है। इस नोटिस पर अधिकारियों से 7 दिन में जवाब मांगा है। जवाब नहीं देने पर सभी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की शुरू की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक मुख्य सचिव ने गत 17 नवंबर को बैठक ली थी। जिसमें भरतपुर नगर निगम में ले-आउट प्लान मंजूर होने के बाद भी पट्टे की फाइलें बेवजह लंबित पाई गई थी। जिस पर सचिव रविन्द्र को नोटिस जारी किया गया है। बयाना नगर पालिका में पट्टे जारी करने की 2205 फाइलें बेवजह लंबित रखने के चलते अधिशासी अधिकारी जितेन्द्र गर्ग को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। बांसवाड़ा नगर परिषद के कामकाज की समीक्षा में पट्टे जारी करने की 1415 फाइलें बेवजह लंबित होने की वजह से आयुक्त प्रभुलाल भापोर को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

> ■ स्वायत्त शासन विभाग ने इन चार अफसरों को कारण बताओ नोटिस भेजकर 7 दिन में जवाब मांगा

‘अब तक 1019 पट्टे बांटकर जयपुर हैरिटेज निगम बना अव्वल’

जयपुर । प्रशासन शहरों के संग अभियान में प्रदेश के 10 नगर निगमों में से नगर निगम हैरिटेज अब तक अव्वल स्थान पर है। यहां अब तक 1019 पट्टे बांटे जा चुके हैं। महापौर मुनेश गुर्जर ने बताया कि आमेर-हवामहल जोन में सबसे ज्यादा 320 पट्टे जारी किए गए हैं, जबकि आदर्श नगर जोन 314 पट्टे बांटकर दूसरे स्थान पर है। सिविल लाइंस जोन में 82, मुख्यालय में 79 पट्टे बांटे जा चुके है। मुनेश गुर्जर ने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा है कि सभी लोगों को पटटा मिले, इसके लिए पूरे प्रयास किए जा रहे हैं।

शौचालय के महत्व पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

जयपुर (कासं)। हैरिटेज नगर निगम और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में मनाए गए विश्व शौचालय सप्ताह के समापन पर बुधवार को “शौचालयों की महत्ता” विषय पर कार्यशाला हुई। जहां विशेषज्ञों ने शौचालयों के महत्व और फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उपायुक्त स्वास्थ्य आशीष कुमार ने कहा कि स्वच्छता अभियान ने पिछले कई सालों से आंदोलन का रूप ले लिया है। केंद्र और राज्य सरकार तो अभियान चला सकती है, लेकिन इस आंदोलन की पूर्णता जनसहयोग के बिना संभव नहीं है। आज यही कारण है कि विभिन्न सामाजिक संगठनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और आमजन के सहयोग की बदौलत देशभर में 15 करोड शौचालय बन गए हैं। सभी लोगों को मन से संकल्प लेना होगा कि हम सड़क पर कचरा नहीं डालेंगे और खुले में शौच नहीं जाएंगे, तभी अभियान की सार्थकता सिद्ध होगी। उपायुक्त अनिता मित्तल ने कहा कि महिलाएं छोटे-छोटे रोजगार अपना कर स्वयं आत्मनिर्भर बन रही है, इनकी मदद में स्वयं सहायता समूह भी जुटे है। सीएफएआर की उपनिदेशक जूही जैन ने कहा कि स्वच्छ भारत अभियान की सफलता के लिए सरकार और समुदाय को मिलकर काम करना होगा और इसमें समुदाय के अंतिम व्यक्ति तक हमारी पहुंच बनानी होगी। कार्यशाला में सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के स्टेट प्रोग्राम लीड रवि किरण बोकम, नई भोर संस्था की संस्थापक पुष्पा माई, सोनिया, इशरत, गोपीदेवी मौजूद थे। कार्यशाला में 20 वार्डों से समुदाय प्रबंधन समितियां, सिंगल विंडो फोरम सदस्य, विषेष योग्यजन, किशोरी, बुजुर्ग, और ट्रांसजेंडर समुदाय, नई भोर संस्था की संस्थापक पुष्पामाई, सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च संस्था कार्यकारी निदेशक अखिला शिवदास, नरेश नागर, नीरज, गरिमा, प्रियंका ताखर समेत कई अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

> ■ केन्द्र और राज्य सरकार के स्वच्छता आंदोलन की पूर्णता जनसहयोग के बिना संभव नहीं : आशीष कुमार

हैरिटेज निगम और सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान में मनाए गए विश्व शौचालय सप्ताह के समापन पर बुधवार को “शौचालयों की महत्ता” पर कार्यशाला हुई।

जयपुर एयरपोर्ट पर हुई बम सर्च की मॉक ड्रिल

जयपुर (कासं)। जयपुर एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के पास बनाए कार्गो टर्मिनल पर बुधवार को बम होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ के जवान समेत बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड समेत तमाम सुरक्षा एजेसियों के जवान और अधिकारी मौके पर पहुंचे। एक-एक सामान की जांच की। डॉग स्क्वायड की टीम ने भी एक-एक कार्गो की जांच की, लेकिन राहत की सांस तब ली, जब बम कहीं भी नहीं मिला। दरअसल ये पूरी घटना एक मॉकड्रिल थी। बताया जा रहा है कि टर्मिनल-1 को जल्द ही यात्रियों के लिए शुरू किया जाएगा। इसी टर्मिनल पर कार्गो कॉम्प्लेक्स बना है।

बम जैसी घटना होने के दौरान सुरक्षा एजेंसियां कैसे राहत-बचाव का काम करेगी, इसकी जांच के लिए यह मॉक ड्रिल रखी गई। मॉक ड्रिल के लिए एयरपोर्ट से बम होने की सूचना राज्य सरकार की एजेंसियों को दी गई। बम की सूचना पर पूरा प्रशासन चिंतित हो उठा। तुरंत ही पुलिस के बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड, फायर ब्रिगेड, नजदीकी पुलिस थानों के सुरक्षा बल, सिविल डिफेंस व अन्य एजेंसियों के अधिकारी-कर्मचारी पहुंचने लगे। वे एयरपोर्ट के अंदर चले गए। बम निरोधक दस्ता, डॉग स्क्वाड ने एक-एक सामान की तलाशी लेनी शुरू कर दी और मेटल डिटेक्टर से जांच शुरू कर दी।

इस दौरान सुरक्षा बलों ने पूरे टर्मिनल भवन को घेरे में ले लिया और कर्मचारियों को बाहर निकाला। डॉग स्क्वायड टीम के में आए डॉग से भी बम की तलाशी शुरू कर दी। करीब एक घंटे तक चली जांच-पड़ताल के बाद किसी भी कार्गो व लगेज में बम नहीं मिला, जिसके बाद पूरे प्रशासन ने राहत की सांस ली।

> ■ सुरक्षा एजेंसियों ने टर्मिलन वन को घेरा, बम निरोधक दस्ते व डॉग स्क्वायड ने 1 घंटे तक की कार्गो चैकिंग